BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak, NH-10, NCR, Haryana-124021(India)
Established under Haryana Private Universities Act, 2006
Recognized by the UGC u/s 2(f) and Member, Association of Indian Universities
Website: www.bmu.ac.in

Report

Annual Mela Festival – Baba Mastnath University

The Annual Mela Festival, held annually at Baba Mastnath University, is a grand celebration of the collective enthusiasm, cultural diversity, and creative talent of students, faculty, and staff. It provides a powerful platform for the integration of Indian folk culture, traditions, and modern creativity.

The primary objective of this fair is to develop cultural consciousness, social harmony, leadership skills, and teamwork among students. It also aims to promote local art, handicrafts, and folk culture.

The festival commenced with the lighting of lamps and a welcome address. This was followed by a variety of colorful programs, including folk dances and folk songs, cultural drama performances, music and band performances, sports and entertainment competitions, handicrafts, food, and startup stalls. Special attractions included performances by local artists and creative stalls set up by students, which received widespread appreciation from the audience.

Students from various faculties of the university participated enthusiastically in the festival. Volunteers played an active role in event management, discipline, and hospitality, developing their organizational skills.

The annual fair concluded with a vote of thanks and prize distribution ceremony. The event was a great success and a memorable experience for all participants. The festival created an atmosphere of enthusiasm, unity, and cultural awareness on the university campus and contributed significantly to the overall development of the students.

26/02/2026

धर्म • समाज • संस्था

मेले का दूसरा दिन • बाबा मस्तनाथ मठ में अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्ति संध्या तक आस्था से रहा सराबोर

मठ में सजा कबड्डी का दंगल

- सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में आठ टीमों ने लिया हिस्सा
- बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान किया हासिल

कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान भिड़ते हिसार जिले रहने वाले 27 वर्षीय शक्ति उर्फ शक्तिमान और करनाल जिले के 22 वर्षीय विजय उर्फ शेखू पहलवान।

सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता को देखने के लिए लगी हुई लोगों की भीड़।

मकरध्वज | रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन अष्टमी पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। तड़के ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार समाधि स्थल तक पहुंच गई। हरियाणा ही नहीं, बल्कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेका। मठ परिसर जय बाबा मस्तनाथ के जयकारों से गूंज उठा। सुबह से ही धूप, दीप व देशी घी की जोत के बीच भक्ति और खेल का अनूठा वातावरण नजर आया। अष्टमी के दिन गुड़ व कंबल अर्पित करने की मान्यता के चलते श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रसाद व कंबल लेकर पहुंचे।

भास्कर इनसाइट

जानिए...ये है मान्यता

माना जाता है कि इस मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ महाराज द्वारा की गई थी। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र सदियों से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा से पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता, ग्रामीण खेल संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का भी जीवंत उदाहरण बनकर उभरता है।

पहलवान शीलू को मिला विशेष सम्मान

भारत की चर्चित कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू कलाना को भी विशेष सम्मान से नवाजा गया। खेल मैदान में ग्रामीण परिवेश की सादगी और जोश का अद्भुत संगम देखने को मिला। बुजुर्गों से लेकर युवा तक मुकाबलों का आनंद लेते नजर आए।

दमखम दिखाते खिलाड़ी।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में उत्साह

सर्कल कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपए और उपविजेता को 71 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को 31 हजार रुपए के साथ दिया गया, जबकि बहू अकबरपुर के अंकुर को सर्वश्रेष्ठ कैचर घोषित कर 31 हजार रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने लिया आशीर्वाद

मेले के दूसरे दिन कई प्रमुख जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। पूर्व विधायक मामन सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद सतपाल सिंह तोमर, पूर्व केंद्रीय मंत्री हंसराज अहीर, विधायक सुभाष मील, अयोध्या के संत राजू दास महाराज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से आई आठ टीमों ने हिस्सा लिया।

आज होगा विशाल दंगल

मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपए, द्वितीय 1,00,000 रुपए, तृतीय 51,000 रु[illegible] निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रोत्साहन [illegible] को लेकर खेल प्रेमियों में खास उत्साह बना हुआ है।

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था और उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

लोक प्रेरणा

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में खास उत्साह

मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप [illegible]

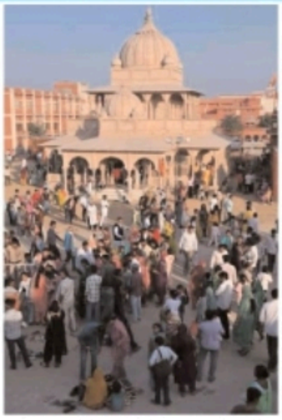

सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों [illegible]

सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ कला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद [illegible]

महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया। मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 [illegible]

इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ जी महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा के साथ पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला आस्था के साथ-साथ [illegible] और सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक बनकर उभरता है।

2:27 0.06 KB/S 80

← PRO BMU

13 photos • February 25, 2026

टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

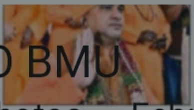

जगमार्ग न्यूज

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व ग्रह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे।

11:33 AM

दैनिक भास्कर

रोहतक भास्कर 25-02-2026

धर्म • समाज • संस्था

मेले का दूसरा दिन • बाबा मस्तनाथ मठ में अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्ति संध्या तक आस्था से रहा सराबोर

मठ में सजा कबड्डी का दंगल

- सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में आठ टीमों ने लिया हिस्सा
- बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान किया हासिल

कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान भिड़ते हिसार जिले वाले 27 वर्षीय शमित उर्फ शक्तिमान और करनाल जिले के 22 वर्षीय विजय उर्फ शेखू पहलवान।

सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता को देखने के लिए लगी हुई लोगों की भीड़।

भास्कर न्यूज | रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन अष्टमी पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। तड़के ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार समाधि स्थल तक पहुंच गई। हरियाणा ही नहीं, बल्कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेका। मठ परिसर जय बाबा मस्तनाथ के जयकारों से गूंज उठा। सुबह से ही धूप, दीप व देशी घी की जोत के बीच भक्ति और खेल का अनूठा वातावरण नजर आया। अष्टमी के दिन गुड़ व कंबल अर्पित करने की मान्यता के चलते श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रसाद व कंबल लेकर पहुंचे।

भास्कर इनसाइट

जानिए...ये है मान्यता

माना जाता है कि इस मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ महाराज द्वारा की गई थी। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र सदियों से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा से पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता, ग्रामीण खेल संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का भी जीवंत उदाहरण बनकर उभरता है।

पहलवान शीलू को मिला विशेष सम्मान

भारत की चर्चित कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को भी विशेष सम्मान से नवाजा गया। खेल मैदान में ग्रामीण परिवेश की सादगी और जोश का अद्भुत संगम देखने को मिला। बुजुर्गों से लेकर युवा तक मुकाबलों का आनंद लेते नजर आए।

दमखम दिखाते खिलाड़ी।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में उत्साह

सर्कल कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपए और उपविजेता को 71 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को 31 हजार रुपए के साथ दिया गया, जबकि बहू अकबरपुर के अंकुर को सर्वश्रेष्ठ कैचर घोषित कर 31 हजार रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

जनप्रतिनिधियों ने लिया आशीर्वाद

मेले के दूसरे दिन कई प्रमुख जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। पूर्व विधायक मामन सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद सतपाल सिंह तोमर, पूर्व केंद्रीय मंत्री हंसराज अहीर, विधायक सुभाष मील, अयोध्या के संत राजू दास महाराज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से आई आठ टीमों ने हिस्सा लिया।

आज होगा विशाल दंगल

मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपए, द्वितीय 1,00,000 रुपए, तृतीय 51,000 रुपए और चतुर्थ 31,000 रुपए निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रोत्साहन [illegible] को लेकर खेल प्रेमियों में खास उत्साह बना हुआ है।

11:34 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था और उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

लोक प्रेरणा

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में खास उत्साह

मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। पारंपरिक वस्त्र, धार्मिक

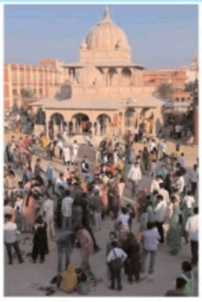

सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व ग्रह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया। मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ जी महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा के साथ पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक बनकर उभरता है।

11:34 AM

सर्कल कबड्डी से भक्ति संध्या तक आस्था से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ का मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं।

- बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

प्रतियोगिता में बहुअकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया।

भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई।

दुकानों पर दिखी रौनक

मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। परंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया।

आज होगा विशाल कुश्ती दंगल

मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है।

बाबा बालकनाथ ने मस्तनाथ के स्वरूप दर्शन दिए

नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ योगी ने बाबा मस्तनाथ के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और [illegible] भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया।

11:33 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था और उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रोहतक, 24 फरवरी। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में खास उत्साह

मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। पारंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ जी महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा के साथ पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला [illegible] और [illegible] उभरता है।

11:33 AM

2:26
PRO BMU
13 photos • February 25, 2026

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com

सर्कल कबड्डी से भक्ति संध्या तक आस्था से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ का मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं।

- बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

प्रतियोगिता में बहुअकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया।

भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई।

दुकानों पर दिखी रौनक

मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। परंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी समान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिताई नाथ महाराज कोष काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया।

आज होगा विशाल कुश्ती दंगल

मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है।

बाबा बालकनाथ ने मस्तनाथ के स्वरूप दर्शन दिए

नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ योगी ने बाबा मस्तनाथ के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और [illegible] धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया।

11:33 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था और उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम, सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रोहतक, 24 फरवरी। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, दर्शकों में खास उत्साह

मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। पारंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिताई नाथ महाराज कोष काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुड़ और कंबल चढ़ाते नजर आए। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया। मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय 1,00,000 रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है। इसके अलावा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे। दंगल को लेकर खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। बाबा मस्तनाथ मठ की स्थापना आठवीं शताब्दी में परम सिद्ध शिरोमणि चौरंगीनाथ जी महाराज द्वारा की गई मानी जाती है। नाथ संप्रदाय का यह प्रमुख केंद्र लंबे समय से धर्म, संस्कृति और सामाजिक चेतना का आधार रहा है। जनश्रुति है कि यहां से कभी 84 सिद्धों की पालकियां एक साथ धर्म प्रचार के लिए निकला करती थीं। आज भी हरियाणा के अनेक गांवों में बाबा मस्तनाथ जी से जुड़े सिद्ध स्थल श्रद्धा के साथ पूजे जाते हैं। हर वर्ष लगने वाला यह मेला [illegible] और [illegible] उभरता है।

11:33 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब

सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था, उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, आस्था से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

पल पल न्यूज: रोहतक, 24 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया

गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। पारंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही।

ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व ग्रह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे।

---

www.jagran.com

जागरण सिटी रोहतक

हिसार, 25 फरवरी, 2026 दैनिक जागरण

बाबा मस्तनाथ मेले में पहली बार करवाई सर्कल कबड्डी में बहुअकबरपुर की टीम ने मारी बाजी

बाबा मस्तनाथ मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

पंकज बेरी ने जीता सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब

2:24
PRO BMU
6 photos • February 25, 2026

for the first time to promote traditional rural sports. Eight teams participated in the event. The Bahu Akbarpur team secured first place, while Garhi Kheri finished as runner-up. The winning team received ₹1 lakh, while the runner-up was awarded ₹71,000. Pan-

Raider and Ankur (Bahu Akbarpur) Best Catcher, each receiving ₹31,000. ... was also honored for her achievements in kabaddi. A large number of villagers and sports enthusiasts attended the matches.

In the evening, a devotional program featuring

tinued late into the night. The monastery complex was beautifully decorated, and devotees lit lamps of desi ghee while praying for family prosperity. The fairgrounds ... as people visited stalls selling traditional clothes, religious items,

11:33 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब

सर्कल कबड्डी से लेकर भक्तिसंध्या तक आस्था, उत्साह से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

11:33 AM

अष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब, आस्था से सराबोर रहा बाबा मस्तनाथ मेला

पल पल न्यूज: रोहतक, 24 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ जी की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा ही नहीं, आसपास के राज्यों से पहुंचे भक्तों ने मत्था टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र पहली बार आयोजित सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता रही। ग्रामीण खेल परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में आठ टीमों ने भाग लिया। मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और अंतिम क्षण तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं। प्रतियोगिता में बहू अकबरपुर की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गढ़ी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत की सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाली शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया

गया। प्रतियोगिता को देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। सायंकाल आयोजित भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में लगी दुकानों पर भी खूब रौनक रही। पारंपरिक वस्त्र, धार्मिक सामग्री, प्रसाद, खिलौने, आभूषण और सजावटी सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही।

ग्रामीण परिवेश और धार्मिक वातावरण ने मेले को विशेष स्वरूप दिया। दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सांसद बागपत, हंसराज अहीर पूर्व ग्रह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई और अन्य जनप्रतिनिधि भी मठ पहुंचे। सभी ने बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया। नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ जी योगी ने बाबा मस्तनाथ जी के स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मेले के अंतिम दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे।

11:33 AM

www.jagran.com जागरण सिटी रोहतक ... 25 फरवरी, 2026 दैनिक जागरण

बाबा मस्तनाथ मेले में पहली बार करवाई सर्कल कबड्डी में बहुअकबरपुर की टीम ने मारी बाजी

बाबा मस्तनाथ मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

पंकज बेरी ने जीता सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब

11:33 AM

PRO BMU
6 photos · February 25, 2026

अमर उजाला my city रोहतक

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम

मेले में अष्टमी पर उमड़ा भक्तों का सैलाब, कार्यक्रम में सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, खेल, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर हुई सर्कल कबड्डी आकर्षण का केंद्र बनी रही।

आस्था और उत्साह से मेला सराबोर रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा के अलावा दूसरे राज्यों से भी पहुंचे भक्तों ने मत्था टेका।

कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम प्रथम, जीता एक लाख का पुरस्कार

सर्कल कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम विजेता और गद्दी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत के सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाले शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

इसके बाद भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में दुकानों पर भी खूब रौनक रही।

मेले में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते मठ के महंत बाबा बालकनाथ। स्रोत : मठ

बाबा मस्तनाथ की स्मृति में लगे मेले में नगाड़े की थाप पर नृत्य करते कलाकारों को देखते श्रद्धालु। संवाद

दर्शन के लिए पहुंचे अतिथि

दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सदस्य बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज आदि ने बाबा मस्तनाथ की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया।

▪ महंत बालकनाथ ने दिया आशीर्वाद

नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ योगी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया।

▪ मेले में आज होगा कुश्ती दंगल

मेले के अंतिम दिन बुधवार को कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है।

मेले में सर्कल कबड्डी के दौरान दमखम दिखाते खिलाड़ी। संवाद

11:33 AM

सिद्ध शिरोमणी बाबा मस्तनाथ की स्मृति में आयोजित मेले में श्रद्धालुओं का उमडा जनसैलाब

नवीन मलिक / गुडगांव मेल

रोहतक, 24 फरवरी। सिद्ध शिरोमणी श्री बाबा मस्तनाथ की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय आयोजित मेले में अष्टमी के दिन अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में श्रद्धालुओं का पूरा दिन तांता लगा रहा। देश विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री बाबा मस्तनाथ की स्माधी स्थल पर गूड की बेली व काला कंबल चढ़ाकर विशेष पूजा अर्चना की। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नाथ पंथ के साधुओ द्वारा मठ परिसर में लगाए गए धुने पर भी श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहा।

प्रसिद्ध कलाकारो ने ढोल नगाडो के साथ अपनी अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। मेले में लगे विभिन्न प्रकार के खाने पीने के स्टाल व झुलो का भी लोगों ने जमकर लुप्त उठाया। मंगलवार सुबह ही अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में बाबा की स्माधी स्थलों के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी लम्बी लाइने लगनी शुरु हो गई। बीएमयू के स्वयं सेवक पूरी तरह से मेले की कमान संभाले रहे। साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उचित परामर्श दिया और निशुल्क दवाईयां भी वितरित की। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा भी लगाया गया। प्राचीन मान्यता है कि सिद्ध शिरोमणी बाबा मस्तनाथ की स्माधि स्थल पर जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से पहुंच कर मन्नत मांगता है, बाबा मस्तनाथ जी उसे जरूर पूरी करते है। मठ के गद्दीनशीन बालकनाथ योगी ने बताया कि प्रति वर्ष बाबा मस्तनाथ मठ की स्मृति में तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। देश विदेश से भारी संख्या में यहां श्रद्धालु यहां पहुंच रहे है।

मंगलवार सर्कल कबड्डी का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रदेशों की टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि नवमी के दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा और सर्कल कबड्डी व कुश्ती प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों को लाखों रूपये के नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने युवा पीढी से नशे से दूर रहकर अपनी प्राचीन [illegible] संस्कृति के साथ जुडने का भी [illegible] किया।

11:33 AM

Huge crowd marks Ashtami at Baba Mastnath fair

▪ Circle Kabaddi Draws Major Attention

HP Correspondent

ROHTAK, FEB 24 A large number of devotees gathered on the second day of the three-day annual fair at Baba Mastnath Math, organized in memory of Baba Mastnath Ji. On the occasion of Ashtami, long queues of devotees were seen from early morning at the saint's samadhi, with people from Haryana and neighboring states offering prayers for peace, prosperity, and well-being.

The highlight of the day was the Circle Kabaddi competition, organized for the first time to promote traditional rural sports. Eight teams participated in the event. The Bahu Akbarpur team secured first place, while Garhi Kheri finished as runner-up. The winning team received ₹1 lakh, while the runner-up was [...] kaj Beri was named Best Raider and Ankur (Bahu Akbarpur) Best Catcher, each receiving ₹31,000. Sheelu Balhara was also honored for her achievements in kabaddi. A large number of villagers and sports enthusiasts attended the matches.

In the evening, a devo- [...] bhajans and kirtans continued late into the night. The monastery complex was beautifully decorated, and devotees lit lamps of desi ghee while praying for family prosperity. The fairgrounds also remained crowded as people visited stalls selling traditional [...] prasad, toys, and decorative goods.

Several dignitaries, including Maman Singh, Satpal Singh Tomar, Hansraj Ahir, and Subhash Meel, visited the monastery and paid tribute.

According to Nath sect traditions, Balaknath Yogi gave darshan to devotees in the form of Baba Mastnath and blessed them. The fair will conclude with a grand wrestling competition featuring renowned wrestlers from across the country.

11:33 AM

2:22
PRO BMU
6 photos • February 25, 2026

अमर उजाला my city रोहतक

बाबा मस्तनाथ मठ में श्रद्धा और खेल का संगम

मेले में अष्टमी पर उमड़ा भक्तों का सैलाब, कार्यक्रम में सर्कल कबड्डी बनी आकर्षण का केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर मठ में चल रहे तीन दिवसीय वार्षिक मेले के दूसरे दिन श्रद्धा, खेल, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अष्टमी के अवसर पर हुई सर्कल कबड्डी आकर्षण का केंद्र बनी रही।

आस्था और उत्साह से मेला सराबोर रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा मस्तनाथ की समाधि तक लगी रहीं। हरियाणा के अलावा दूसरे राज्यों से भी पहुंचे भक्तों ने मत्था टेका।

कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम प्रथम, जीता एक लाख का पुरस्कार

सर्कल कबड्डी में बहू अकबरपुर की टीम विजेता और गद्दी खेड़ी की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब पंकज बेरी को और सर्वश्रेष्ठ कैचर का सम्मान अंकुर (बहू अकबरपुर) को 31-31 हजार रुपये की राशि के साथ दिया गया। भारत के सर्वश्रेष्ठ कैचर के रूप में पहचान रखने वाले शीलू बलहारा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

इसके बाद भक्तिसंध्या में भजन-कीर्तन का क्रम देर रात तक चलता रहा। सजे-धजे मठ परिसर में श्रद्धालु बाबा की महिमा का गुणगान करते नजर आए। देशी घी की जोत जलाकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की गई। मेले में दुकानों पर भी खूब रौनक रही।

मेले में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते मठ के महंत बाबा बालकनाथ। स्रोत : मठ

बाबा मस्तनाथ की स्मृति में लगे मेले में नगाड़े की थाप पर नृत्य करते कलाकारों को देखते श्रद्धालु। संवाद

दर्शन के लिए पहुंचे अतिथि

दूसरे दिन मामन सिंह पूर्व विधायक तिजारा, सतपाल सिंह तोमर पूर्व राज्यसभा सदस्य बागपत, हंसराज अहीर पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं एनसीबीसी चेयरमैन, सुभाष मील विधायक खंडेला राजस्थान, राजू दास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, चिंताई नाथ महाराज कोथ काला पीर एवं महामंत्री नाथ समाज आदि ने बाबा मस्तनाथ की समाधि पर नमन कर आशीर्वाद लिया।

■ महंत बालकनाथ ने दिया आशीर्वाद

नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार मठ के महंत बालकनाथ योगी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। उनके दर्शन के लिए भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। मान्यता है कि अष्टमी और नवमी के दिन मठ में गुड़ और कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पूजा-अर्चना से पूर्व संतों और महंतों ने बाबा की धूनी पर भस्म रमाकर विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न किया।

■ मेले में आज होगा कुश्ती दंगल

मेले के अंतिम दिन बुधवार को कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,51,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये, तृतीय 51,000 रुपये और चतुर्थ 31,000 रुपये रखा गया है।

मेले में सर्कल कबड्डी के दौरान दमखम दिखाते खिलाड़ी। संवाद

11:33 AM

सिद्ध शिरोमणी बाबा मस्तनाथ की स्मृति में आयोजित मेले में श्रद्धालुओं का उमडा जनसैलाब

नवीन मलिक / गुडगांव मेल

रोहतक, 24 फरवरी। सिद्ध शिरोमणी श्री बाबा मस्तनाथ की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय आयोजित मेले में अष्टमी के दिन अस्थल बोहर संधित श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में श्रद्धालुओं का पूरा दिन तांता लगा रहा। देश विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री बाबा मस्तनाथ की स्माधी स्थल पर गूड की बेली व काला कंबल चढ़ाकर विशेष पूजा अर्चना की। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नाथ पंथ के साधुओ द्वारा मठ परिसर में लगाए गए धुने पर भी श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहा।

प्रसिद्ध कलाकारो ने ढोल नगाडो के साथ अपनी अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। मेले में लगे विभिन्न प्रकार के खाने पीने के स्टाल व झुलो का भी लोगों ने जमकर लुप्त उठाया। मंगलवार सुबह ही अस्थल बोहर संधित बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में बाबा की स्माधी स्थलों के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी लम्बी लाइने लगनी शुरु हो गई। बीएमयू के स्वयं सेवक पूरी तरह से मेले की कमान संभाले रहे। साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उचित परामर्श दिया और निशुल्क दवाईयां भी वितरित की। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारा भी लगाया गया। प्राचीन मान्यता है कि सिद्ध शिरोमणी बाबा मस्तनाथ की स्माधि स्थल पर जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से पहुंच कर मन्नत मांगता है, बाबा मस्तनाथ जी उसे जरूर पूरी करते है। मठ के गद्दीनशीन बालकनाथ योगी ने बताया कि प्रति वर्ष बाबा मस्तनाथ मठ की स्मृति में तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। देश विदेश से भारी संख्या में यहां श्रद्धालु यहां पहुंच रहे है।

मंगलवार सर्कल कबड्डी का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रदेशों की टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि नवमी के दिन विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा और सर्कल कबड्डी व कुश्ती प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों को लाखों रूपये के नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने युवा पीढी से नशे से दूर रहकर अपनी प्राचीन [illegible] संस्कृति [illegible] साथ जुडने का भी [illegible] किया।

11:33 AM

Huge crowd marks Ashtami at Baba Mastnath fair

■ Circle Kabaddi Draws Major Attention

HP Correspondent

ROHTAK, FEB 24 A large number of devotees gathered on the second day of the three-day annual fair at Baba Mastnath Math, organized in memory of Baba Mastnath Ji. On the occasion of Ashtami, long queues of devotees were seen from early morning at the saint's samadhi, with people from Haryana and neighboring states offering prayers for peace, prosperity, and well-being.

The highlight of the day was the Circle Kabaddi competition, organized for the first time to promote traditional rural sports. Eight teams participated in the event. The Bahu Akbarpur team secured first place, while Garhi Kheri finished as runner-up. The winning team received ₹1 lakh, while the runner-up was awarded ₹71,000. Pankaj Beri was named Best Raider and Ankur (Bahu Akbarpur) Best Catcher, each receiving ₹31,000. Sheelu Balhara was also honored for her achievements in kabaddi. A large number of villagers and sports enthusiasts attended the matches.

In the evening, a devotional program featuring bhajans and kirtans continued late into the night. The monastery complex was beautifully decorated, and devotees lit lamps of desi ghee while praying for family prosperity. The fairgrounds also remained crowded as people visited stalls selling traditional clothes, religious items, prasad, toys, and decorative goods.

Several dignitaries, including Maman Singh, Satpal Singh Tomar, Hansraj Ahir, and Subhash Meel, visited the monastery and paid tribute.

According to Nath sect traditions, Balaknath Yogi gave darshan to devotees in the form of Baba Mastnath and blessed them. The fair will conclude with a grand wrestling competition featuring renowned wrestlers from across the country.

11:33 AM

दैनिक भास्कर
रोहतक भास्कर 24-02-2026

आस्था का महाकुंभ • बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय मेले का भव्य आगाज

संतों के प्रवचन में गूंजा तप, त्याग और सेवा का संदेश, की महाआरती

अस्थल बोहर में मेले के दौरान अग्नि की परिक्रमा करते हुए साधु-संत।

बाबा मस्तनाथ मठ में पहले दिन जगमग नजारे ने सभी को किया आकृषित।

भास्कर न्यूज | रोहतक

आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में आयो जित इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु अस्थल बोहर पहुंचे। तड़के से ही समाधि मंदिर के बाहर लंबी कतारें लग गईं और जय बाबा मस्तनाथ के जयकारों से पूरा परिसर गुंज यमान हो उठा।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपम लाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। सायंकाल भव्य भजन संध्या और महाआरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।

बाबा मस्तनाथ मठ में मेले के पहले दिन समाधि पर पूजा करने पहुंचे श्रद्धालु।

नागा साधुओं की उपस्थिति

नाथ संप्रदाय के संत-महंतों और नागा साधुओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ का जीवन मानवता की सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक है।

सुरक्षा के विशेष प्रबंध

मेले में तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई हैं। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। वहीं श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए हैं।

नेता व अधिकारी पहुंचे

मेले में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। पुलिस महानिदेशक ने मठ परिसर का निरीक्षण किया।

बाबा मस्तनाथ मठ में मेला शुरू, लाखों श्रद्धालु करेंगे दर्शन

पल पल न्यूज: रोहतक, 23 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। रोहतक जिले में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्यस्मृति में तीन दिवसीय मेला शुरू हो गया है। मेले को लेकर श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में भक्त बाबा मस्तनाथ के दर्शन व आशीर्वाद के लिए पहुंच रहे है। वहीं, नागा साधु भी समाधी स्थल पर पहुंचे है। बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि समाधि स्थल, मुख्य मंदिर, पंडाल, भंडारा स्थल, पेयजल केंद्र और सुरक्षा की उचित प्रबंध किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है, ताकि मेले के दौरान किसी को असुविधा न हो।

बाबा मस्तनाथ मठ में शुरू हुए मेले की सजावट लेकर मुख्य मंदिर तक भव्य तोरण द्वार, रंगीन ध्वज और पुष्प सज्जा की गई है। पूरा मठ रंग-बिरंगी रोशनियों से आलोकित है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा है। बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से सुसज्जित किया गया है, जहां पहुंचकर श्रद्धालु श्रद्धा से नतमस्तक हो रहे हैं। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेले के शुभारंभ पर विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए गए। बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं और आध्यात्मिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रवचन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देशभर के संत-महात्मा, धर्मगुरु और विद्वान शामिल हुए। भजन-कीर्तन के कार्यक्रमों में प्रसिद्ध मंडलियां प्रस्तुति दे रही है। चंडीगढ़ के डीजीपी सागरप्रीत हुड्डा बाबा मस्तनाथ मठ में समाधी स्थल अस्पताल में कई मशीनों का उद्घाटन भी किया। साथ ही महंत बालकनाथ से मिलकर बाबा मस्तनाथ मठ को लेकर चर्चा की। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हर रोज हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। विभिन्न समुदायों के लोग भी इस आध्यात्मिक आयोजन में शामिल होते हैं, जो सर्वधर्म समभाव और मानव सेवा की भावना को दर्शाता है। मठ के सेवकों और भक्तों में उत्साह है व सभी सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। बाबा मस्तनाथ मठ में समाधि स्थल को अक्षरधाम की तर्ज पर बनाया गया है। समाधि स्थल का काम पूरा हो चुका है, जबकि उसके चारों तरफ कोरिडोर बनाया जा रहा है। समाधि स्थल के चारों तरफ बनने वाला कोरिडोर करीब एक किलोमीटर का होगा, जिसमें बाबा मस्तनाथ मठ से निकले सभी

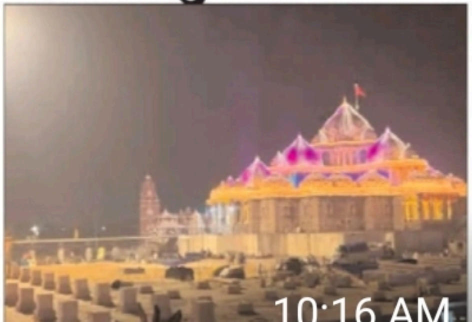

2:20 0.13 KB/S 81
PRO BMU
19 photos • February 24, 2026
10:16 AM

दैनिक भास्कर

रोहतक भास्कर 24-02-2026

आस्था का महाकुंभ • बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय मेले का भव्य आगाज

संतों के प्रवचन में गूंजा तप, त्याग और सेवा का संदेश, की महाआरती

अस्थल बोहर में मेले के दौरान अग्नि की परिक्रमा करते हुए साधु-संत।

बाबा मस्तनाथ मठ में पहले दिन जगमग नजारे ने सभी को किया आकृषित।

भास्कर न्यूज़ | रोहतक

आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में आयो जित इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु अस्थल बोहर पहुंचे। तड़के से ही समाधि मंदिर के बाहर लंबी कतारें लग गईं और जय बाबा मस्तनाथ के जयकारों से पूरा परिसर गुंजयमान हो उठा।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपम लाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। सायंकाल भव्य भजन संध्या और महाआरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।

बाबा मस्तनाथ मठ में मेले के पहले दिन समाधि पर पूजा करने पहुंचे श्रद्धालु।

नागा साधुओं की उपस्थिति

नाथ संप्रदाय के संत-महंतों और नागा साधुओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ का जीवन मानवता की सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक है।

सुरक्षा के विशेष प्रबंध

मेले में तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई हैं। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। वहीं श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए हैं।

नेता व अधिकारी पहुंचे

मेले में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। पुलिस महानिदेशक ने मठ परिसर का निरीक्षण भी किया।

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में मेला शुरू, लाखों श्रद्धालु करेंगे दर्शन

पल पल न्यूज: रोहतक, 23 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। रोहतक जिले में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्यस्मृति में तीन दिवसीय मेला शुरू हो गया है। मेले को लेकर श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में भक्त बाबा मस्तनाथ के दर्शन व आशीर्वाद के लिए पहुंच रहे है। वहीं, नागा साधु भी समाधी स्थल पर पहुंचे हैं। बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि समाधि स्थल, मुख्य मंदिर, पंडाल, भंडारा स्थल, पेयजल केंद्र और सुरक्षा की उचित प्रबंध किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है, ताकि मेले के दौरान किसी को असुविधा न हो।

बाबा मस्तनाथ मठ में शुरू हुए मेले की सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य मंदिर तक भव्य तोरण द्वार, रंगीन ध्वज और पुष्प सज्जा की गई है। पूरा मठ रंग-बिरंगी रोशनियों से आलोकित है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा है। बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से सुसज्जित किया गया है, जहां पहुंचकर श्रद्धालु श्रद्धा से नतमस्तक हो रहे हैं। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेले के शुभारंभ पर विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान किए गए। बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं और आध्यात्मिक संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रवचन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देशभर के संत-महात्मा, धर्मगुरु और विद्वान शामिल हुए। भजन-कीर्तन के कार्यक्रमों में प्रसिद्ध मंडलियां प्रस्तुति दे रही है। चंडीगढ़ के डीजीपी सागरप्रीत हुड्डा बाबा मस्तनाथ मठ में समाधी स्थल के दर्शन करने पहुंचे। सागर प्रीत हुड्डा ने आई अस्पताल में कई मशीनों का उद्घाटन भी किया। साथ ही महंत बालकनाथ से मिलकर बाबा मस्तनाथ मठ को लेकर चर्चा की। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हर रोज हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। विभिन्न समुदायों के लोग भी इस आध्यात्मिक आयोजन में शामिल होते है, जो सर्वधर्म समभाव और मानव सेवा की भावना को दर्शाता है। मठ के सेवकों और भक्तों में उत्साह है व सभी सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। बाबा मस्तनाथ मठ में समाधि स्थल को अक्षरधाम की तर्ज पर बनाया गया है। समाधि स्थल का काम पूरा हो चुका है, जबकि उसके चारों तरफ कोरिडोर बनाया जा रहा है। समाधि स्थल के चारों तरफ बनने वाला कोरिडोर करीब एक किलोमीटर का होगा, जिसमें बाबा मस्तनाथ मठ से निकले सभी साधुओं के चित्र लगाए जाएंगे।

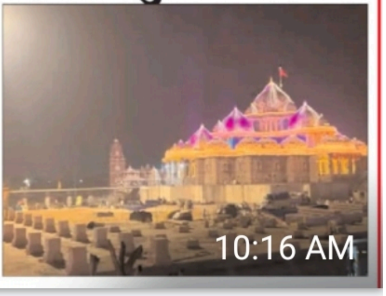

10:16 AM

आस्था का महाकुंभ बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेले का शुभारंभ

रोहतक, 23 फरवरी (हप्र)

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार को तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले दिन ही हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे और समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह लगभग 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने आरती कर मेले का शुभारंभ किया। पूरे मठ परिसर में बाबा मस्तनाथ के जयकारों की गूंज रही। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था की गई, और दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। शाम को भव्य भजन और आरती का आयोजन हुआ।

मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों, झांकियों और रंगीन रोशनी से सजाया गया। समाधि मंदिर सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत था।

रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना करते महंत बालकनाथ योगी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, उपआचार्य बाबा कपिल पुरी व अन्य संत-महंत।-हप्र

नागा साधु और नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, उपआचार्य बाबा कपिल पुरी सहित कई संत-महंतों ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक ओम प्रकाश यादव और पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने भी पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। तीनों दिन विशाल भंडारे, पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और सक्रिय भागीदारी की अपील की गई।

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

ज्योति दर्पण

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती

का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है। समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा हरियाणा के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेजिडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थियेटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार बढ़ती भीड़ [illegible] में [illegible] माहौल बना हुआ है।

10:16 AM

PRO BMU
19 photos • February 24, 2026

रोहतक. बाबा मस्तनाथ मठ में मेले के पहले दिन गद्दीनशीन बाबा बालकनाथ के दर्शन करने के लिए नागा साधु पहुंचे। इस दौरान संतों ने धूने की भस्म रमाई हुई थी। बाबा के सम्मुख माथा टेक संतों ने आशीर्वाद लिया।

आस्था का महाकुंभ बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेले का शुभारंभ

रोहतक, 23 फरवरी (हप्र)

रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना करते महंत बालकनाथ योगी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, उपआचार्य बाबा कपिल पुरी व अन्य संत-महंत।-हप्र

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार को तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले दिन ही हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे और समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह लगभग 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने आरती कर मेले का शुभारंभ किया। पूरे मठ परिसर में बाबा मस्तनाथ के जयकारों की गूंज रही। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था की गई, और दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। शाम को भव्य भजन और आरती का आयोजन हुआ।

मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों, झांकियों और रंगीन रोशनी से सजाया गया। समाधि मंदिर सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत था। नागा साधु और नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी, उपआचार्य बाबा कपिल पुरी सहित कई संत-महंतों ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक ओम प्रकाश यादव और पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने भी पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। तीनों दिन विशाल भंडारे, पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और सक्रिय भागीदारी की अपील की गई।

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

ज्योति दर्पण

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है। समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेजिडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधि-विधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार बढ़ती [illegible] माहौल बना हुआ है।

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय धार्मिक मेले का हुआ शुभारंभ

तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैला

ऋषि की आवाज ब्यूरो रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय धार्मिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए।

मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। हजारों बाबा मस्तनाथ के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है। समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए।

इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधि-विधान के साथ उद्घाटन किया।

मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी [illegible] किए जाएंगे।

10:16 AM

10:16 AM

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय धार्मिक मेले का हुआ शुभारंभ

तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैला

ऋषि की आवाज ब्यूरो रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय धार्मिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए।

मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के पीठाधीश महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। हवन बाबा मस्तनाथ के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायंकाल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है। समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

नाथ साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए।

इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधि-विधान के साथ उद्घाटन किया।

मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में [illegible] किए जाएंगे।

10:16 AM

10:16 AM

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

फूलों और रोशनी से सजा बाबा मस्तनाथ मठ, संतों के सान्निध्य में वार्षिक मेले का भव्य शुभारंभ, अस्थल बोहर बना आस्था का केंद्र, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे। मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार [illegible]

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला का शुभारंभ

तीन दिवसीय मेले के पहले दिन उमड़े श्रद्धालु, समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की

जागरण संवाददाता • रोहतक : सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत सुबह करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। मेले आस पास के क्षेत्रों सहित दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

बाबा मस्तनाथ समाधि पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी व अन्य दर्शन करते हुए • जागरण

बीएमयू में नेत्र चिकित्सालय में आपरेशन थियेटर का उद्घाटन करते हुए महंत बालकनाथ योगी, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा व अन्य • जागरण

भंडारे के लिए दिन-रात जुटे 350 हलवाई

असंध निवासी श्रवण हलवाई ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मेले में भंडारे की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह अपनी टीम के साथ नौ फरवरी को मठ में पहुंच गए थे। इसके बाद से मिठाइयां व भंडारे की सामग्री तैयार की जा रही है। भंडारे में लंगर करने के लिए करीब 2300 वर्ग फीट का विशाल पंडाल बनाया गया है, जहां एक साथ लगभग दस हजार श्रद्धालु बैठकर लंगर ग्रहण कर सकेंगे। इसके लिए 350 हलवाई प्रसाद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए 400 क्विंटल लड्डू, 200 क्विंटल बालूशाही, 300 क्विंटल जलेबी और 50 क्विंटल चूरमा तैयार किया है।

बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक मेला में भंडारे का सामान बनाते हलवाई • जागरण

नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति मेले को खास बना रहा

मेले को नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल [illegible] नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल व बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की [illegible] जानकारी दी। मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए आपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

2:16
PRO BMU
2 photos • February 24, 2026

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

फूलों और रोशनी से सजा बाबा मस्तनाथ मठ, संतों के सान्निध्य में वार्षिक मेले का भव्य शुभारंभ, अस्थल बोहर बना आस्था का केंद्र, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे। मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना

दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार बढ़ती भीड़ से मठ परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला का शुभारंभ

तीन दिवसीय मेले के पहले दिन उमड़े श्रद्धालु, समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की

जागरण संवाददाता • रोहतक : सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत सुबह करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। मेले आस पास के क्षेत्रों सहित दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

बाबा मस्तनाथ समाधि पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी व अन्य दर्शन करते हुए • जागरण

बीएमयू में नेत्र चिकित्सालय में ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए महंत बालकनाथ योगी, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा व अन्य • जागरण

भंडारे के लिए दिन-रात जुटे 350 हलवाई

असंध निवासी भगत हलवाई ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मेले में भंडारे की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह अपनी टीम के साथ नौ फरवरी को मठ में पहुंच गए थे। इसके बाद से मिठाइयां व भंडारे की सामग्री तैयार की जा रही है। भंडारे में लंगर करने के लिए करीब 2300 वर्ग फीट का विशाल पंडाल बनाया गया है, जहां एक साथ लगभग दस हजार श्रद्धालु बैठकर लंगर ग्रहण कर सकेंगे। इसके लिए 350 हलवाई प्रसाद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए 400 क्विंटल लड्डू, 200 क्विंटल बालूशाही, 300 क्विंटल जलेबी और 50 क्विंटल चूरमा तैयार किया है।

बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक मेला में भंडारे का सामान बनाते हलवाई • जागरण

नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति मेले को खास बना रहा

मेले को नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल व बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

फूलों और रोशनी से सजा बाबा मस्तनाथ मठ, संतों के सान्निध्य में वार्षिक मेले का भव्य शुभारंभ, अस्थल बोहर बना आस्था का केंद्र, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे। मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार बढ़ती भीड़ से मठ परिसर में उत्सव [illegible]

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला का शुभारंभ

तीन दिवसीय मेले के पहले दिन उमड़े श्रद्धालु, समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की

जागरण संवाददाता • रोहतक : सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत सुबह करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। मेले आस पास के क्षेत्रों सहित दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

बाबा मस्तनाथ समाधि पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी व अन्य दर्शन करते हुए • जागरण

बीएमयू में नेत्र चिकित्सालय में ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए महंत बालकनाथ योगी, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा व अन्य • जागरण

भंडारे के लिए दिन-रात जुटे 350 हलवाई

अखिल सिवानी श्याम हलवाई ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मेले में भंडारे की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह अपनी टीम के साथ नौ फरवरी को मठ में पहुंच गए थे। इसके बाद से मिठाइयां व भंडारे की सामग्री तैयार की जा रही है। भंडारे में लंगर चखने के लिए करीब 2300 वर्ग फीट का विशाल पंडाल बनाया गया है, जहां एक साथ लगभग दस हजार श्रद्धालु बैठकर लंगर ग्रहण कर सकेंगे। इसके लिए 350 हलवाई प्रसाद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए 400 क्विंटल लड्डू, 200 क्विंटल बालूशाही, 300 क्विंटल जलेबी और 50 क्विंटल चूरमा तैयार किया है।

बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक मेला में भंडारे का सामान बनाते हलवाई • जागरण

नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति मेले को खास बना रहा

मेले को नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में [illegible] नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल व बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के [illegible] जानकारी दी। मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की

11:35
PRO BMU
2 photos • February 24, 2026

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

फूलों और रोशनी से सजा बाबा मस्तनाथ मठ, संतों के सान्निध्य में वार्षिक मेले का भव्य शुभारंभ, अस्थल बोहर बना आस्था का केंद्र, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में सोमवार प्रातः तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। 23 से 25 फरवरी तक चलने वाले इस मेले के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत तड़के करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। 'जय बाबा मस्तनाथ' के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था खोली गई, जहां दिनभर आस्था का सिलसिला चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ। देर रात तक श्रद्धालु व भक्तजन जमे रहे। मेले के अवसर पर मठ परिसर को फूलों, तोरण द्वारों और आकर्षक झांकियों से सजाया गया है।

समाधि मंदिर को सुगंधित पुष्पों और दीपमालाओं से अलंकृत किया गया। शाम ढलते ही रंगीन रोशनी से जगमगाता परिसर भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। पूरा वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा नजर आया। नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में दर्शन किए। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल तथा बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी सहित विभिन्न संकायों की जानकारी दी। उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इसके बाद मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मेले के तीनों दिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और मठ प्रबंधन की ओर से भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। तीन दिवसीय यह मेला 25 फरवरी तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में संत प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लगातार बढ़ती भीड़ से मठ परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

10:16 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला का शुभारंभ

तीन दिवसीय मेले के पहले दिन उमड़े श्रद्धालु, समाधि मंदिर में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की

जागरण संवाददाता • रोहतक : सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय वार्षिक मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन हजारों श्रद्धालु मठ पहुंचे। सुबह से ही समाधि मंदिर के बाहर कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। मेले की शुरुआत सुबह करीब 5 बजे विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विधिवत आरती कर मेले का शुभारंभ किया। मेले आस पास के क्षेत्रों सहित दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सायं काल भव्य भजन व आरती का आयोजन हुआ।

बाबा मस्तनाथ समाधि पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी व अन्य दर्शन करते हुए • जागरण

बीएमयू में नेत्र चिकित्सालय में ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए महंत बालकनाथ योगी, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा व अन्य • जागरण

भंडारे के लिए दिन-रात जुटे 350 हलवाई

अस्थल निवासी भगत हलवाई ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मेले में भंडारे की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह अपनी टीम के साथ नौ फरवरी को मठ में पहुंच गए थे। इसके बाद से मिठाइयां व भंडारे की सामग्री तैयार की जा रही है। भंडारे में लंगर चखने के लिए करीब 23 00 वर्ग फीट का विशाल पंडाल बनाया गया है, जहां एक साथ लगभग दस हजार श्रद्धालु बैठकर लंगर ग्रहण कर सकेंगे। इसके लिए 350 हलवाई प्रसाद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए 400 क्विंटल लड्डू, 200 क्विंटल बालूशाही, 300 क्विंटल जलेबी और 50 क्विंटल चूरमा तैयार किया है।

बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित वार्षिक मेला में भंडारे का सामान बनाते हलवाई • जागरण

नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति मेले को खास बना रहा

मेले को नागा साधुओं सहित नाथ संप्रदाय के संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। प्रवचन सत्र में संतों ने बाबा मस्तनाथ जी के तप, त्याग और समाज सेवा के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर दिखाई दिए। इस अवसर पर जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने समाधि मंदिर में [illegible] नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा भी मेले में पहुंचे। सभी ने समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हुड्डा ने मठ परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान महंत बालकनाथ योगी ने उन्हें श्री बाबा मस्तनाथ रेसीडेंशियल सैनिक स्कूल व बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के [illegible] जानकारी दी। मठ परिसर स्थित नेत्र चिकित्सालय में आधुनिक मशीनों से सुसज्जित नए ऑपरेशन थिएटर का मंत्र उच्चारण व विधिविधान के साथ उद्घाटन किया। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि यह मेला केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की [illegible]

मठ में बनेगा एक किमी का डिजिटल कोरिडोर क्यूआर कोड से जान सकेंगे साधुओं का इतिहास

श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में बनेगा एक हजार बेड का मेडिकल कालेज

रत्न पंवार • जागरण

• मठ प्रबंधन ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, दो से तीन महीनों में भूमि पूजन की संभावना

• व मेडिकल कालेज को भी चैरिटेबल आधार पर संचालित किया जाएगा : महंत बालकनाथ

रोहतक : अस्थल बोहर स्थित सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ मठ ने

मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी।

स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विरासत के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। मठ परिसर में 1000 बेड का अत्याधुनिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल स्थापित किया जाएगा। मठ प्रबंधन ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और आगामी दो से तीन महीनों में भूमि पूजन किए जाने की संभावना है। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विशेष तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि मठ परिसर में मुख्य सड़क से सटी लगभग 18 से 20 एकड़ भूमि मेडिकल कालेज निर्माण के लिए चिन्हित की गई है। परियोजना को लेकर विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा किया जा रहा है, ताकि मेडिकल काउंसिल के सभी आवश्यक

अस्थल बोहर स्थित सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ मठ ।

मानकों, आधारभूत संरचना, फैकल्टी, लैब, उपकरण और अस्पताल सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान की रूपरेखा तैयार की जा सके। मठ प्रशासन का लक्ष्य है कि यह मेडिकल कालेज क्षेत्र के लोगों को उच्च स्तरीय और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि संस्थान का मूल उद्देश्य जनसेवा है। उन्होंने कहा कि मठ की ओर से संचालित अस्पताल और शिक्षण संस्थान लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि समाज की सेवा के लिए चलाए जाते हैं। मेडिकल कालेज को भी चैरिटेबल आधार पर संचालित किया जाएगा, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं कम लागत पर उपलब्ध हो सकें। वर्तमान में मठ अस्पताल में मात्र 20 रुपये की पर्ची पर परामर्श और उपचार की सुविधा दी जा रही है।

नई पीढ़ी जान सकेंगी मठ की आध्यात्मिक विरासत

इसी के साथ मठ परिसर में एक भव्य भवन और करीब एक किलोमीटर लंबा आधुनिक कोरिडोर भी तैयार किया जा रहा है। इस दोहरी ऊंचाई वाले गलियारे में मठ से जुड़े संतों और साधुओं की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। प्रत्येक प्रतिमा के साथ क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिसे मोबाइल फोन से स्कैन कर श्रद्धालु संबंधित संत का जीवन परिचय, उनके योगदान और मठ के इतिहास की जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। मठ प्रबंधन का कहना है कि इस डिजिटल पहल के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है और कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनका मानना है कि यह प्रयास नई पीढ़ी को आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने और ऐतिहासिक जानकारी को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम [illegible]।

बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन

रोहतक(एचकेए ब्यूरो)। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के

उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा की व्यवस्था है। वर्तमान में बारह हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी [illegible] सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

11:33
Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। ... है। इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है और इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले में राजस्थान हरियाणा और राजधानी दिल्ली से कई मंत्री गण पधार रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के बारे में उन्होंने कहा कि इस वर्ष उनका आना संभव नहीं है लेकिन

अगले वर्ष उनका पूरा प्रयास रहेगा कि वह इस तीन दिवसीय मेले में अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज करवाएंगे। बाबा बालक नाथ ने इस बात पर दुख जताया कि आज की युवा पीढ़ी नशे की दलदल में धंसती जा रही है। उनका प्रयास है कि देश की युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बाहर निकालने के लिए खेलों की ओर आकर्षित करें और इसी के चलते उन्होंने इस

होगा। महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनके गुरुओं के आशीर्वाद से मठ परिसर में 20 एकड़ में मेडिकल का भूमि पूजन किया जा रहा है जिसमें 1000 बेड मरीज के लिए होंगे और मरीज को यहां काफी सस्ता और ... करवाया जाएगा।

10:34 AM

मठ में बनेगा एक किमी का डिजिटल कोरिडोर क्यूआर कोड से जान सकेंगे साधुओं का इतिहास

श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में बनेगा एक हजार बेड का मेडिकल कालेज

रत्न पंवार • जागरण

- मठ प्रबंधन ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, दो से तीन महीनों में भूमि पूजन की संभावना
- व मेडिकल कालेज को भी चैरिटेबल आधार पर संचालित किया जाएगा : महंत बालकनाथ

रोहतक : अस्थल बोहर स्थित सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ मठ ने स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विरासत के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। मठ परिसर में 1000 बेड का अत्याधुनिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल स्थापित किया जाएगा। मठ प्रबंधन ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और आगामी दो से तीन महीनों में भूमि पूजन किए जाने की संभावना है। मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने विशेष तौर पर जानकारी देते हुए बताया कि मठ परिसर में मुख्य सड़क से सटी लगभग 18 से 20 एकड़ भूमि मेडिकल कालेज निर्माण के लिए चिन्हित की गई है। परियोजना को लेकर विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा किया जा रहा है, ताकि मेडिकल काउंसिल के सभी आवश्यक मानकों, आधारभूत संरचना, फैकल्टी, लैब, उपकरण और अस्पताल सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान की रूपरेखा तैयार की जा सके। मठ प्रशासन का लक्ष्य है कि यह मेडिकल कालेज क्षेत्र के लोगों को उच्च स्तरीय और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें।

मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी।

अस्थल बोहर स्थित सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ मठ ।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि संस्थान का मूल उद्देश्य जनसेवा है। उन्होंने कहा कि मठ की ओर से संचालित अस्पताल और शिक्षण संस्थान लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि समाज की सेवा के लिए चलाए जाते हैं। मेडिकल कालेज को भी चैरिटेबल आधार पर संचालित किया जाएगा, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं कम लागत पर उपलब्ध हो सकें। वर्तमान में मठ अस्पताल में मात्र 20 रुपये की पर्ची पर परामर्श और उपचार की सुविधा दी जा रही है।

नई पीढ़ी जान सकेंगी मठ की आध्यात्मिक विरासत

इसी के साथ मठ परिसर में एक भव्य भवन और करीब एक किलोमीटर लंबा आधुनिक कोरिडोर भी तैयार किया जा रहा है। इस दोहरी ऊंचाई वाले गलियारे में मठ से जुड़े संतों और साधुओं की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। प्रत्येक प्रतिमा के साथ क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिसे मोबाइल फोन से स्कैन कर श्रद्धालु संबंधित संत का जीवन परिचय, उनके योगदान और मठ के इतिहास की जानकारी तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। मठ प्रबंधन का कहना है कि इस डिजिटल पहल के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है और कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनका मानना है कि यह प्रयास नई पीढ़ी को आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने और ऐतिहासिक जानकारी को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

10:34 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन

रोहतक(एचकेए ब्यूरो)। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा की व्यवस्था है। वर्तमान में बारह हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्र के [illegible] सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

10:34 AM

Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से

राष्ट्र वैभव (ब्यूरो)

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमश: सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का

माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रात:काल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा की व्यवस्था है। वर्तमान में बारह हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने के लिए आमन्त्रित किया।

10:34 AM

तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 फरवरी से : बाबा बालक नाथ

पल पल न्यूज: रोहतक, 21 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन समृद्धि में 18 वीं सदी से चली आ रही परंपरा अनुसार श्री बाबा मस्त नाथ मठ अस्थल बोहर में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 फरवरी से किया जा रहा है। यह मेला आदिकाल से सप्तमी अष्टमी और नवमी तिथि को मनाया जाएगा। यह जानकारी आज पत्रकार वार्ता में महंत बाबा बालक नाथ योगी गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर रोहतक ने देते हुए बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है । उनका दावा है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है और इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले में राजस्थान हरियाणा और राजधानी दिल्ली से कई मंत्री गण पधार रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के बारे में उन्होंने कहा कि इस वर्ष उनका आना संभव नहीं है लेकिन

अगले वर्ष उनका पूरा प्रयास रहेगा कि वह इस तीन दिवसीय मेले में उनकी उपस्थिति अवश्य दर्ज करवाएंगे। बाबा बालक नाथ ने इस बात पर दुख जताया कि आज की युवा पीढ़ी नशे की दलदल में धंसती जा रही है। उनका प्रयास है कि देश की युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बाहर निकालने के लिए खेलों की ओर आकर्षित करें और इसी के चलते उन्होंने इस बार कई इनामी खेलों का आयोजन किया है। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें कई राज्यों की टीम में भाग लेगी और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 100000 तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71000 और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31000 का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे और प्रथम पुरस्कार 151000 रुपये द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार 51000 तथा चतुर्थ पुरस्कार 31000 रुपए होगा। महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनके गुरुओं के आशीर्वाद से मठ परिसर में 20 एकड़ में मेडिकल का भूमि पूजन किया जा रहा है जिसमें 1000 बेड मरीज के लिए होंगे और मरीज को यहां काफी सस्ता और [illegible] करवाया जाएगा।

10:34 AM

11:32

संयम, साधना और लोक कल्याण के   इस दंगल का प्रथम पुरस्कार 1 लाख   दिया।

10:34 AM

Inder Preet BMU Admblock

16 photos • February 22, 2026

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से

राष्ट्र वैभव (ब्यूरो)

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का

माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा की व्यवस्था है। वर्तमान में बारह हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने के लिए आमन्त्रित किया।

10:34 AM

तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 फरवरी से : बाबा बालक नाथ

पल पल न्यूज: रोहतक, 21 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन समृद्धि में 18 वीं सदी से चली आ रही परंपरा अनुसार श्री बाबा मस्त नाथ मठ अस्थल बोहर में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 फरवरी से किया जा रहा है। यह मेला आदिकाल से सप्तमी अष्टमी और नवमी तिथि को मनाया जाएगा। यह जानकारी आज पत्रकार वार्ता में महंत बाबा बालक नाथ योगी गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर रोहतक ने देते हुए बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है । उनका दावा है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है और इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस मेले में राजस्थान हरियाणा और राजधानी दिल्ली से कई मंत्री गण पधार रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के बारे में उन्होंने कहा कि इस वर्ष उनका आना संभव नहीं है लेकिन

अगले वर्ष उनका पूरा प्रयास रहेगा कि वह इस तीन दिवसीय मेले में उनकी उपस्थिति अवश्य दर्ज करवाएंगे। बाबा बालक नाथ ने इस बात पर दुख जताया कि आज की युवा पीढ़ी नशे की दलदल में धंसती जा रही है। उनका प्रयास है कि देश की युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बाहर निकालने के लिए खेलों की ओर आकर्षित करें और इसी के चलते उन्होंने इस बार कई इनामी खेलों का आयोजन किया है। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें कई राज्यों की टीम में भाग लेगी और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 100000 तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71000 और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31000 का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे और प्रथम पुरस्कार 151000 रुपये द्वितीय पुरस्कार एक लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार 51000 तथा चतुर्थ पुरस्कार 31000 रुपए होगा। महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उनके गुरुओं के आशीर्वाद से मठ परिसर में 20 एकड़ में मेडिकल का भूमि पूजन किया जा रहा है जिसमें 1000 बेड मरीज के लिए होंगे और मरीज को यहां काफी सस्ता और [illegible] करवाया जाएगा।

10:34 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेला कल से

सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता और इनामी कुश्ती दंगल रहेंगे मेले का आकर्षण

ऋषि की आवाज ब्यूरो रोहतक। 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के अनुसार सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में स्थानीय बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर में 23 फरवरी से तीन दिवसीय सालाना मेले का आगाज होगा। सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को ये मेला आयोजित होगा।

मठ अस्थल बोहर के गद्दीनशीन महंत एवं तिजारा से विधायक महंत बालकनाथ योगी ने शुक्रवार को इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पत्रकारों से संवाद करते हुए महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा ये मेला इस क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर माथा टेक कर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण मेले में हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

उन्होंने बताया कि इस मेले की शुरूआत बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। ये मेला बाबा मस्तनाथ द्वारा समाज को दिए गए सेवा, संयम, साधना और लोक कल्याण के संदेश की परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेले के पहले दिन 23 फरवरी को प्रातः विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु दिनभर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

दूसरे दिन 24 फरवरी को आयोजित होने वाली सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम रहने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा दूसरे स्थान पर आने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित करने के अलावा, सर्वश्रेष्ठ रेडर व सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया जाएगा।

मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को एक इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। इस दंगल का प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, दूसरा पुरस्कार 1 लाख रुपये, तीसरा पुरस्कार 51 हजार रुपये और चौथा पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। ये दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विवि में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मठ की जनसेवा की मुहिम की अगली कड़ी के रूप में मठ द्वारा 1000 बेड के एक अस्पताल की योजना प्रस्तावित है, जिसके लिए आगामी कुछ ही महीनों में भूमि पूजन किया जाएगा। उन्होंने सालाना मेला को श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को परिवार सहित मेले में पहुंचने का आमंत्रण दिया।

11:31 1.00 KB/S 85
Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

ings. It is believed that prayers offered here with devotion are fulfilled ... devotees traditionally offer ... (jaggery) and a black blanket at the shrine.

The fair was originally started to keep the teachings of Baba Mastnath alive and spread his message of service, discipline, spiritual practice and social welfare. Over time, it has also become a cen-

gious rituals will be performed in the presence ... along with devotional ... the day.

A Circle Kabaddi competition will be held on February 24, with teams from various states participating. The winning team will receive ₹1 lakh, while the runner-up will get ₹71,000. Special prizes of ₹31,000 each will be

Mahant Balaknath Yogi also highlighted that the Math contributes significantly to education and healthcare through institutions such as Baba Mastnath University and other schools, where over 12,000 students are currently studying, along with a charitable hospital serving the region.

He invited devotees and residents to participate in the fair with their ...

10:34 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेला कल से

सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता और इनामी कुश्ती दंगल रहेंगे मेले का आकर्षण

ऋषि की आवाज ब्यूरो रोहतक। 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के अनुसार सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में स्थानीय बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर में 23 फरवरी से तीन दिवसीय सालाना मेले का आगाज होगा। सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को ये मेला आयोजित होगा।

मठ अस्थल बोहर के गद्दीनशीन महंत एवं तिजारा से विधायक महंत बालकनाथ योगी ने शुक्रवार को इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पत्रकारों से संवाद करते हुए महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा ये मेला इस क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ के समाधि स्थल पर माथा टेक कर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण मेले में हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

उन्होंने बताया कि इस मेले की शुरूआत बाबा मस्तनाथ की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। ये मेला बाबा मस्तनाथ द्वारा समाज को दिए गए सेवा, संयम, साधना और लोक कल्याण के संदेश की परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचेंगे।

गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेले के पहले दिन 23 फरवरी को प्रातः विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु दिनभर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

दूसरे दिन 24 फरवरी को आयोजित होने वाली सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम रहने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा दूसरे स्थान पर आने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित करने के अलावा, सर्वश्रेष्ठ रेडर व सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया जाएगा।

मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को एक इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। इस दंगल का प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, दूसरा पुरस्कार 1 लाख रुपये, तीसरा पुरस्कार 51 हजार रुपये और चौथा पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। ये दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि बाबा मस्तनाथ मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विवि में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मठ की जनसेवा की मुहिम की अगली कड़ी के रूप में मठ द्वारा 1000 बेड के एक अस्पताल की योजना प्रस्तावित है, जिसके लिए आगामी कुछ ही महीनों में भूमि पूजन किया जाएगा। उन्होंने सालाना मेला को श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक बताता हुए क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को परिवार सहित मेले में पहुंचने का आमंत्रण दिया।

10:34 AM

की माता निर्मला देवी सहित परिजन व अनेक

Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

अमर उजाला my city

बाबा मस्तनाथ मठ में कल से लगेगा मेला

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की स्मृति में मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यह मेला 23 से 25 फरवरी तक लगेगा। मेले में देश भर से साधु संत व नाथ संप्रदाय के अनुयायी हिस्सा लेंगे।

बाबा बालकनाथ।

मठ के महंत ने बताया कि यह मेला मठ की परंपरानुसार निरंतर लगता है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था व श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा की पुण्य स्मृति को जीवित रखने व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक व खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया।

यह है मठ की मान्यता : मान्यता है कि बाबा की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने व गुड़ की भेली और काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां आते हैं।

पहली बार आयोजित होगी कबड्डी प्रतियोगिता

मेले के दूसरे दिन 24 फरवरी को पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये है।

10:34 AM

3-day annual fair at Baba Mastnath Math from Feb 23

■ HP Correspondent

ROHTAK, FEB 21. A three-day annual fair will be organized at Shri Baba Mastnath Math from February 23 to 25, 2026 in sacred memory of Baba Mastnath, following a tradition that dates back to the 18th century.

Sharing this information, Mahant Balaknath Yogi, the head priest of the Math at Asthal Bohar, said the fair is held every year on Saptami, Ashtami and Navami, attracting thousands of devotees from across the region. Devotees visit the samadhi of Baba Mastnath to offer prayers and seek blessings. It is believed that prayers offered here with devotion are fulfilled, and devotees traditionally offer gur bheli (jaggery) and a black blanket at the shrine.

The fair was originally started to keep the teachings of Baba Mastnath alive and spread his message of service, discipline, spiritual practice and social welfare. Over time, it has also become a centre for social, cultural and sports activities.

Mahant Balaknath Yogi addressing a press conference regarding the three-day fair at Shri Baba Mastnath Math, Asthal Bohar, Rohtak. HP Photo

> On February 23, special prayers, havan and religious rituals will be performed in the presence of saints and devotees, along with devotional singing throughout the day

On February 23, special prayers, havan and religious rituals will be performed in the presence of saints and devotees, along with devotional singing throughout the day.

A Circle Kabaddi competition will be held on February 24, with teams from various states participating. The winning team will receive ₹1 lakh, while the runner-up will get ₹71,000. Special prizes of ₹31,000 each will be awarded to the best raider and best catcher.

On February 25, a grand wrestling dangal will take place, featuring renowned wrestlers. Prize money includes ₹1.51 lakh for first place, ₹1 lakh for second, ₹51,000 for third and ₹31,000 for fourth.

Mahant Balaknath Yogi also highlighted that the Math contributes significantly to education and healthcare through institutions such as Baba Mastnath University and other schools, where over 12,000 students are currently studying, along with a charitable hospital serving the region.

He invited devotees and residents to participate in the fair with th[illegible]

10:34 AM

Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

अमर उजाला my city रोहतक

बाबा मस्तनाथ मठ में कल से लगेगा मेला

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की स्मृति में मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यह मेला 23 से 25 फरवरी तक लगेगा। मेले में देश भर से साधु संत व नाथ संप्रदाय के अनुयायी हिस्सा लेंगे।

बाबा बालकनाथ।

मठ के महंत ने बताया कि यह मेला मठ की परंपरानुसार निरंतर लगता है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था व श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा की पुण्य स्मृति को जीवित रखने व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक व खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया।

यह है मठ की मान्यता : मान्यता है कि बाबा की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने व गुड़ की भेली और काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां आते हैं।

पहली बार आयोजित होगी कबड्डी प्रतियोगिता

मेले के दूसरे दिन 24 फरवरी को पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये है।

10:34 AM

3-day annual fair at Baba Mastnath Math from Feb 23

■ HP Correspondent

ROHTAK, FEB 21. A three-day annual fair will be organized at Shri Baba Mastnath Math from February 23 to 25, 2026 in sacred memory of Baba Mastnath, following a tradition that dates back to the 18th century.

Sharing this information, Mahant Balaknath Yogi, the head priest of the Math at Asthal Bohar, said the fair is held every year on Saptami, Ashtami and Navami, attracting thousands of devotees from across the region. Devotees visit the samadhi of Baba Mastnath to offer prayers and seek blessings. It is believed that prayers offered here with devotion are fulfilled, and devotees traditionally offer gur bheli (jaggery) and a black blanket at the shrine.

The fair was originally started to keep the teachings of Baba Mastnath alive and spread his message of service, discipline, spiritual practice and social welfare. Over time, it has also become a centre for social, cultural and sports activities.

Mahant Balaknath Yogi addressing a press conference regarding the three-day fair at Shri Baba Mastnath Math, Asthal Bohar, Rohtak. HP Photo

> “On February 23, special prayers, havan and religious rituals will be performed in the presence of saints and devotees, along with devotional singing throughout the day

On February 23, special prayers, havan and religious rituals will be performed in the presence of saints and devotees, along with devotional singing throughout the day.

A Circle Kabaddi competition will be held on February 24, with teams from various states participating. The winning team will receive ₹1 lakh, while the runner-up will get ₹71,000. Special prizes of ₹31,000 each will be awarded to the best raider and best catcher.

On February 25, a grand wrestling dangal will take place, featuring renowned wrestlers. Prize money includes ₹1.51 lakh for first place, ₹1 lakh for second, ₹51,000 for third and ₹31,000 for fourth.

Mahant Balaknath Yogi also highlighted that the Math contributes significantly to education and healthcare through institutions such as Baba Mastnath University and other schools, where over 12,000 students are currently studying, along with a charitable hospital serving the region.

He invited devotees and residents to participate in the fair with the

10:34 AM

दैनिक भास्कर
रोहतक भास्कर 22-02-2026

बाबा मस्तनाथ मठ में पहली बार 'सर्कल कबड्डी' का रण

बाबा मस्तनाथ मेले में खेल, आस्था और इतिहास का संगम

बनेगा 1 किमी दायरे का डिजिटल कॉरिडोर

भास्कर न्यूज़ | रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के तहत श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होने वाला यह मेला क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शुमार हैं।

गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी।

यह जानकारी गद्दीनशीन महंत महंत बालकनाथ योगी ने दी। उन्होंने बताया कि बाबा मस्तनाथ की समाधि पर देशभर से श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। श्रद्धालु गुड़ भेली और काला कंबल अर्पित कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

ऐसे रहेंगे तीन दिन के कार्यक्रम

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि इस वर्ष पहली बार बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 24 फरवरी को होने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपए और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपए का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, यह प्रतियोगिता युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

23 फरवरी को विशेष पूजा-अर्चना

मेले के पहले दिन 23 फरवरी को प्रातः विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

25 फरवरी को विशाल इनामी दंगल

मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल आयोजित होगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

मठ शिक्षा और स्वास्थ्य में भी अग्रणी

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में 12 हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

कोरिडोर में क्यूआर कोड से जानें महंतों की पूरी गाथा

मेले के साथ इस बार एक और ऐतिहासिक पहल की जा रही है। मठ परिसर में एक किलोमीटर दायरे में दो मंजिला भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इस कॉरिडोर में अब तक गद्दी पर विराजमान रहे सभी महंतों का इतिहास, जीवन परिचय और योगदान अंकित किया जाएगा। विशेष बात यह होगी कि साधु-संतों की फोटो के साथ क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। श्रद्धालु क्यूआर कोड स्कैन करते ही संबंधित साधु या महंत की विस्तृत जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल मठ के गौरवशाली इतिहास को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की दिशा में अभिनव प्रयास मानी जा रही है।

दैनिक भास्कर
रोहतक भास्कर 22-02-2026

बाबा मस्तनाथ मठ में पहली बार 'सर्कल कबड्डी' का रण

बाबा मस्तनाथ मेले में खेल, आस्था और इतिहास का संगम

बनेगा 1 किमी दायरे का डिजिटल कॉरिडोर

भास्कर न्यूज़ | रोहतक

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के तहत श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होने वाला यह मेला क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शुमार है।

गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी।

यह जानकारी गद्दीनशीन महंत महंत बालकनाथ योगी ने दी। उन्होंने बताया कि बाबा मस्तनाथ की समाधि पर देशभर से श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। श्रद्धालु गुड़ भेली और काला कंबल अर्पित कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

ऐसे रहेंगे तीन दिन के कार्यक्रम

पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि इस वर्ष पहली बार बाबा मस्तनाथ की पुण्यतिथि पर सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 24 फरवरी को होने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपए और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपए का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, यह प्रतियोगिता युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

23 फरवरी को विशेष पूजा-अर्चना

मेले के पहले दिन 23 फरवरी को प्रातः विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

25 फरवरी को विशाल इनामी दंगल

मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल आयोजित होगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

मठ शिक्षा और स्वास्थ्य में भी अग्रणी

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा दो बड़े विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा उपलब्ध है। वर्तमान में 12 हजार से अधिक विद्यार्थी इन संस्थानों में अध्ययनरत हैं। मठ द्वारा संचालित धर्मार्थ अस्पताल भी क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

कोरिडोर में क्यूआर कोड से जानें महंतों की पूरी गाथा

मेले के साथ इस बार एक और ऐतिहासिक पहल की जा रही है। मठ परिसर में एक किलोमीटर दायरे में दो मंजिला भव्य कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इस कॉरिडोर में अब तक गद्दी पर विराजमान रहे सभी महंतों का इतिहास, जीवन परिचय और योगदान अंकित किया जाएगा। विशेष बात यह होगी कि साधु-संतों की फोटो के साथ क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। श्रद्धालु क्यूआर कोड स्कैन करते ही संबंधित साधु या महंत की विस्तृत जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल मठ के गौरवशाली इतिहास को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की दिशा में अभिनव प्रयास मानी जा रही है।

अमर उजाला
Rohtak
22-02-2026

बाबा मस्तनाथ मठ में कल से लगेगा मेला

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की स्मृति में मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यह मेला 23 से 25 फरवरी तक लगेगा। मेले में देश भर से साधु संत व नाथ संप्रदाय के अनुयायी हिस्सा लेंगे। मठ के महंत ने बताया कि यह मेला मठ की परंपरानुसार निरंतर लगता है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था व श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा की पुण्य स्मृति को जीवित रखने व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक व खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया।

बाबा बालकनाथ।

यह है मठ की मान्यता : मान्यता है कि बाबा की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने व गुड़ की भेली और काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां आते हैं।

पहली बार आयोजित होगी कबड्डी प्रतियोगिता

मेले के दूसरे दिन 24 फरवरी को पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये है।

10:34 AM

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन

➪ **बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का दिया था संदेश : महंत बालकनाथ योगी**

जगमार्ग न्यूज

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा।

यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ

यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में

11:25
Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026
10:34 AM

अमर उजाला
Rohtak
22-02-2026

बाबा मस्तनाथ मठ में कल से लगेगा मेला

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की स्मृति में मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यह मेला 23 से 25 फरवरी तक लगेगा। मेले में देश भर से साधु संत व नाथ संप्रदाय के अनुयायी हिस्सा लेंगे। मठ के महंत ने बताया कि यह मेला मठ की परंपरानुसार निरंतर लगता है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था व श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा की पुण्य स्मृति को जीवित रखने व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक व खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया।

बाबा बालकनाथ।

यह है मठ की मान्यता : मान्यता है कि बाबा की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने व गुड़ की भेली और काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां आते हैं।

पहली बार आयोजित होगी कबड्डी प्रतियोगिता

मेले के दूसरे दिन 24 फरवरी को पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये है।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन

बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का दिया था संदेश: महंत बालकनाथ योगी

जगमार्ग न्यूज

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा।

यह जानकारी देते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि

यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत, साधु-संतों की टोलियां और बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने और गुड़ भेली तथा काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां अरदास करते हैं। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे

10:34 AM

11:25 2.00 KB/S 86
Inder Preet BMU Admblock 10:34 AM
16 photos • February 22, 2026

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से 25 फरवरी तक

मठ परिसर में बनेगा भव्य मेडिकल कॉलेज व 1000 बेड का अस्पताल : महंत बालकनाथ योगी

■ बोले, अब पहले की तुलना में बहुत कम संख्या में दीक्षा ले रहे हैं साधु

हरीश भारद्वाज

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 व 25 फरवरी 2026 को पारंपरिक तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार व बुधवार को आयोजित होगा। यह जानकारी मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने दी। उन्होंने बताया कि 18वीं सदी से चली आ रही इस परंपरा के तहत लगने वाला यह मेला क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा हुआ है, जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना पूर्ण होती है तथा गुड़ भेली व काला कंबल अर्पित करने की विशेष परंपरा है।

उन्होंने बताया कि 23 फरवरी को प्रातः विशेष पूजा-अर्चना, हवन, धार्मिक अनुष्ठान व भजन-कीर्तन होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को 1 लाख रुपये व उपविजेता को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। दंगल में प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये तथा चतुर्थ 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

तीन दिवसीय सालाना मेले को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर के महंत एवं तिजारा के विधायक बालकनाथ योगी।

इसी अवसर पर महंत बालकनाथ योगी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि बाबा मस्तनाथ परिसर में एक भव्य मेडिकल कॉलेज तथा लगभग 1000 बेड का आधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिसकी नींव अगले दो से तीन महीनों में रखी जाएगी। यह परियोजना करीब 18 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिससे रोहतक सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा और राजस्थान के विधायकों व मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है, हालांकि दोनों राज्यों में विधानसभा सत्र के कारण सीमित उपस्थिति की संभावना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार औपचारिक निमंत्रण नहीं भेजा गया, पर उनका मनोभाव है कि वे भविष्य में अवश्य पधारें, जिसके लिए अगले वर्ष निमंत्रण भेजा जाएगा। महंत ने कहा कि सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी की परंपरा आस्था, साधना और लोककल्याण से जुड़ी रही है तथा नाथ संप्रदाय में उन्हें महायोगी गुरु गोरखनाथ के स्वरूप के रूप में श्रद्धा से देखा जाता है। नाथ संप्रदाय के 12 पंथों के संत, महंत और साधु इस मेले में भाग लेकर बाबा की समाधि पर दर्शन करते हैं और आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हैं।

उन्होंने बताया कि मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मठ द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों व धर्मार्थ अस्पताल के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों और रोगियों को निरंतर सेवाएं दी जा रही हैं। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं का प्रतीक है, जहां जाति, धर्म और संप्रदाय का कोई भेदभाव नहीं होता और सभी श्रद्धालु एक साथ बैठकर प्रसाद व भंडारे का लाभ उठाते हैं।

तीन दिवसीय मेले के उपरांत न्यास के दिन झकान पछाड़ की पारंपरिक रस्म भी होती है, जिसमें अब पहले की तुलना में बहुत कम संख्या में साधु दीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भव्य और दिव्य मेला न केवल रोहतक बल्कि हरियाणा और देश की आध्यात्मिक पहचान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं व सेवादारियों से परिवार सहित मेले में पहुंचकर दर्शन, प्रसाद [illegible] आह्वान किया।

बाबा मस्तनाथ मठ में कल से लगेगा मेला

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की स्मृति में मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में मेले का आयोजन किया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी व नवमी को यह मेला 23 से 25 फरवरी तक लगेगा। मेले में देश भर से साधु संत व नाथ संप्रदाय के अनुयायी हिस्सा लेंगे। मठ के महंत ने बताया कि यह मेला मठ की परंपरानुसार निरंतर लगता है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था व श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा की पुण्य स्मृति को जीवित रखने व उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक व खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया।

बाबा बालकनाथ।

यह है मठ की मान्यता : मान्यता है कि बाबा की समाधि पर सच्चे मन से मत्था टेकने व गुड़ की भेली और काला कंबल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना लेकर आने वाले भक्त पूरे विश्वास के साथ यहां आते हैं।

पहली बार आयोजित होगी कबड्डी प्रतियोगिता

मेले के दूसरे दिन 24 फरवरी को पहली बार सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के अंतिम दिन 25 फरवरी को इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये है।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन

➡ बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण

के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से : महंत बालकनाथ

सवेरा न्यूज/ संजीव कौशिक

रोहतक, 21 फरवरी : सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। शनिवार को मठ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने के लिए आमन्त्रित किया।

पत्रकारों से बातचीत करते अस्थल बोहर मठ के गद्दीनशीन महंत योगी बालकनाथ।

epaper.dainiksaveratimes.in

10:34 AM

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 को सालाना मेला

जगत क्रान्ति ⏭ संजीव

रोहतक : सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के अनुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि के अनुसार क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर) ने बताया कि यह मेला क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है और दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर माथा टेकने आते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। मेले का उद्देश्य बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति और उनके संदेश सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण को जन-जन तक पहुंचाना है। मेला कार्यक्रम की रूपरेखा में 23 को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान। दिनभर भजन-कीर्तन और दर्शन। 24 को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। 25 को विशाल इनामी कुश्ती दंगल, नामी पहलवान भाग लेंगे। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दो बड़े विद्यालय संचालित, प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा उपलब्ध। वर्तमान में 12,000+ विद्यार्थी अध्ययनरत। मठ का धर्मार्थ अस्पताल क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। श्रद्धालु दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं।

उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को परिवार सहित मेले में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह मेला धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से रोहतक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है।

10:34 AM

विशेष पूजा-अर्चना, हवन, धार्मिक अनुष्ठान व भजन-कीर्तन होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को एक लाख रुपये व उपविजेता को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। 25 फरवरी नामी पहलवान भाग लेंगे। दंगल में प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये तथा चतुर्थ 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा और राजस्थान के विधायकों व मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार औपचारिक भंडारे का लाभ उठाते हैं।

तीन दिवसीय मेले के उपरांत ग्यारस के दिन कान पड़ाई की पारंपरिक रस्म भी होती है, जिसमें अब पहले की तुलना में बहुत कम संख्या में साधु दीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भव्य और दिव्य मेला न केवल रोहतक बल्कि हरियाणा और देश की आध्यात्मिक पहचान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का माध्यम है।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से : महंत बालकनाथ

सवेरा न्यूज/ संजीव कौशिक

रोहतक, 21 फरवरी : सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। शनिवार को मठ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। मान्यता है कि इस नाथ संप्रदाय के इस प्रमुख धार्मिक स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था और श्रद्धा के कारण हर वर्ष मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति को जीवित रखने और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया था। मेला उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि पहले दिन 23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ जी की समाधि पर दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने के लिए आमन्त्रित किया।

पत्रकारों से बातचीत करते अस्थल बोहर मठ के गद्दीनशीन महंत योगी बालकनाथ।

epaper.dainiksaveratimes.in

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 को सालाना मेला

जगत क्रान्ति ⏭ संजीव

रोहतक : सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के अनुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेला आयोजित किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि के अनुसार क्रमशः सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर) ने बताया कि यह मेला क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है और दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर माथा टेकने आते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना यहां अवश्य पूर्ण होती है। मेले का उद्देश्य बाबा मस्तनाथ जी की पुण्य स्मृति और उनके संदेश सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण को जन-जन तक पहुंचाना है। मेला कार्यक्रम की रूपरेखा में 23 को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान। दिनभर भजन-कीर्तन और दर्शन। 24 को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता, विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। 25 को विशाल इनामी कुश्ती दंगल, नामी पहलवान भाग लेंगे। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दो बड़े विद्यालय संचालित, प्राथमिक से उच्च स्तर तक शिक्षा उपलब्ध। वर्तमान में 12,000+ विद्यार्थी अध्ययनरत। मठ का धर्मार्थ अस्पताल क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। श्रद्धालु दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करते हैं।

उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को परिवार सहित मेले में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह मेला धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से रोहतक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है।

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला कल से

तीन दिन तक देखने को मिलेगा परंपरा और आस्था का संगम

हरीश भारद्वाज/हप
रोहतक, 21 फरवरी

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में 23 फरवरी से तीन दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को सोमवार, मंगलवार व बुधवार को आयोजित होगा।

मठ के महंत बालकनाथ योगी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18वीं सदी से चली आ रही इस परंपरा के तहत लगने वाला मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा हुआ है, जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि पर मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना पूर्ण होती है तथा गुड़ की भेली व काला कंबल अर्पित करने की विशेष परंपरा है।

मठ के महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि 23 फरवरी को सुबह विशेष पूजा-अर्चना, हवन, धार्मिक अनुष्ठान व भजन-कीर्तन होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को एक लाख रुपये व उपविजेता को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। दंगल में प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये तथा चतुर्थ 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

रोहतक में वार्षिक मेले की जानकारी देते महंत एवं तिजारा के विधायक बालकनाथ योगी। -हप

मेडिकल कॉलेज, एक हजार बेड का अस्पताल बनेगा

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि बाबा मस्तनाथ परिसर में भव्य मेडिकल कॉलेज तथा एक बेड की क्षमता का आधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिसकी नींव अगले दो से तीन महीनों में रखी जाएगी। यह परियोजना 18 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिससे रोहतक सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा और राजस्थान के विधायकों व मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार औपचारिक निमंत्रण नहीं भेजा गया, पर उनका मनोभाव है कि वे भविष्य में अवश्य पधारें, जिसके लिए अगले वर्ष निमंत्रण भेजा जाएगा।

महंत ने कहा कि सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की परंपरा आस्था, साधना और लोककल्याण से जुड़ी रही है तथा नाथ संप्रदाय में उन्हें महायोगी गुरु गोर[illegible] रूप के रूप में श्रद्धा[illegible] है। उन्होंने बताया कि [illegible] के 12 पंथों के संत, महंत और साधु इस मेले में भाग लेकर बाबा की समाधि पर दर्शन करते हैं और आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं का प्रतीक है, जहां जाति, धर्म और संप्रदाय का कोई भेदभाव नहीं होता और सभी श्रद्धालु एक साथ बैठकर प्रसाद व भंडारे का लाभ उठाते हैं।

तीन दिवसीय मेले के उपरांत ग्यारस के दिन कान पढ़ाई की पारंपरिक रस्म भी होती है, जिसमें अब पहले की तुलना में बहुत कम संख्या में साधु दीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भव्य और दिव्य मेला न केवल रोहतक बल्कि हरियाणा और देश की आध्यात्मिक पहचान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का माध्यम है।

11:22 0.46 KB/S 87
Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026
10:34 AM

मठ परिसर को पूरी तरह से दुल्हन की तरह सजाया गया है। ... महाराज ने समाज को सेवा, संयम, ... दिया। प्रतिवर्ष श्री बाबा मस्तनाथ जी ... बताया कि तीन दिवसीय मेले के दौरान देश विदेश से भारी संख्या में ... अष्टमी को सर्कल कब्बडी ... केन्द्र रहेंगे। विजेता टीमों को लाखों रूपये के नकद पुरस्कार देकर ... श्री बाबा मस्तनाथ मठ पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बना चुका है और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बन चुका है। सालाना मेले की सभी तैयारियां जोरो पर है और श्रद्धालुओं व ... विशेष प्रबंध किए गए है।

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला कल से

तीन दिन तक देखने को मिलेगा परंपरा और आस्था का संगम

हरीश भारद्वाज/हप
रोहतक, 21 फरवरी

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ महाराज की पावन स्मृति में अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ में 23 फरवरी से तीन दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को सोमवार, मंगलवार व बुधवार को आयोजित होगा।

मठ के महंत बालकनाथ योगी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18वीं सदी से चली आ रही इस परंपरा के तहत लगने वाला मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा हुआ है, जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु बाबा मस्तनाथ की समाधि पर मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना पूर्ण होती है तथा गुड़ की भेली व काला कंबल अर्पित करने की विशेष परंपरा है।

मठ के महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि 23 फरवरी को सुबह विशेष पूजा-अर्चना, हवन, धार्मिक अनुष्ठान व भजन-कीर्तन होंगे। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। विजेता टीम को एक लाख रुपये व उपविजेता को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। 25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा, जिसमें नामी पहलवान भाग लेंगे। दंगल में प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये तथा चतुर्थ 31 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

रोहतक में वार्षिक मेले की जानकारी देते महंत एवं तिजारा के विधायक बालकनाथ योगी। -हप

मेडिकल कॉलेज, एक हजार बेड का अस्पताल बनेगा

महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि बाबा मस्तनाथ परिसर में भव्य मेडिकल कॉलेज तथा एक बेड की क्षमता का आधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा, जिसकी नींव अगले दो से तीन महीनों में रखी जाएगी। यह परियोजना 18 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिससे रोहतक सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा और राजस्थान के विधायकों व मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार औपचारिक निमंत्रण नहीं भेजा गया, पर उनका मनोभाव है कि वे भविष्य में अवश्य पधारें, जिसके लिए अगले वर्ष निमंत्रण भेजा जाएगा।

महंत ने कहा कि सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ की परंपरा आस्था, साधना और लोककल्याण से जुड़ी रही है तथा नाथ संप्रदाय में उन्हें महायोगी गुरु गोर[illegible] रूप के रूप में श्रद्धा [illegible] है। उन्होंने बताया कि [illegible] के 12 पंथों के संत, महंत और साधु इस मेले में भाग लेकर बाबा की समाधि पर दर्शन करते हैं और आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि मठ केवल आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं का प्रतीक है, जहां जाति, धर्म और संप्रदाय का कोई भेदभाव नहीं होता और सभी श्रद्धालु एक साथ बैठकर प्रसाद व भंडारे का लाभ उठाते हैं।

तीन दिवसीय मेले के उपरांत ग्यारस के दिन कान पढ़ाई की पारंपरिक रस्म भी होती है, जिसमें अब पहले की तुलना में बहुत कम संख्या में साधु दीक्षा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भव्य और दिव्य मेला न केवल रोहतक बल्कि हरियाणा और देश की आध्यात्मिक पहचान को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने का माध्यम है।

3/11
10:34 AM

श्री बाबा मस्तनाथ मठ में तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन 23 से : महंत बालकनाथ

सवेरा न्यूज/ संजीव कौशिक

रोहतक, 21 फरवरी : सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरानुसार श्री बाबा मस्तनाथ मठ अस्थल बोहर में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 ... रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि बाबा मस्तनाथ जी की समाधि स्थल पर श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। ... और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया। बाबा मस्तनाथ जी ने समाज को सेवा, संयम, साधना और ... आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया ... द्वितीय पुरस्कार 1 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार 51 हजार रुपये और चतुर्थ पुरस्कार 31 हजार रुपये रखा गया है। दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा और सामाजिक एकता का ...

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Rohtak - 22 Feb 2026 - Page 3

मठ में दो माह बाद 1000 बेड के अस्पताल का होगा भूमि पूजन: महंत बालकनाथ योगी

श्री बाबा मस्तनाथ मठ पर तीन दिवसीय सालाना मेला कल से, सभी तैयारियां पूरी

मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना के साथ की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते महंत बालकनाथ योगी ।

नाथ महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के तहत अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमश सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। वहीं मस्तनाथ मठ में दो माह बाद ही एक हजार बैड के नए अस्पताल का भूमि पूजन भी किया जाएगा। महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर दूर-दूर से श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष हजारों भक्त मेले में शामिल होते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण-को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत और श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। परंपरा के अनुसार श्रद्धालु गुड़ भेली और काला कंबल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि [illegible]

24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता

23 फरवरी को प्रात:काल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल

25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये और चतुर्थ 31 हजार रुपये रखा गया है। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मठ शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय तथा विद्यालयों में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि धर्मार्थ अस्पताल क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने का आह्वान किया।

श्री बाबा मस्तनाथ मठ की पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान, तीन दिवसीय वार्षिक मेला 23 फरवरी से शुरू: महंत बालकनाथ

नवीन मलिक/ गुडगांव मेल

रोहतक, 21 फरवरी। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ की पावन स्मृति में तीन दिवसीय वार्षिक मेला 23 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें देश विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालुजन भाग लेगे। अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय भव्य मेले की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है।

मठ परिसर को पूरी तरह से दुल्हन की तरह सजाया गया है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ महाराज ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया। प्रतिवर्ष श्री बाबा मस्तनाथ जी की पावन स्मृति में सप्तमी, अष्टमी और नवमी 23, 24 व 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय मेले के दौरान देश विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेगे। उन्होंने बताया कि अष्टमी को सर्कल कब्बडी प्रतियोगिता होगी जिसमें कई प्रदेशों के खिलाड़ी हिस्सा लेगे, वहीं नवमी के दिन कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जोकि आकर्षक का केन्द्र रहेगे। विजेता टीमों को लाखों रूपये के नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इसका उदेश्य युवाओं को खेलो के प्रति जोडना है। महंत बालकनाथ ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ के प्रति श्रद्धालुओं की काफी आस्था है और जो भी श्रद्धा यहां सच्चे मन से समाधि स्थल पर पूजा अर्चना करता है, उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। उन्होंने बताया कि तीन दिन प्रतिदिन धार्मिक भव्य आयोजन होगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आज श्री बाबा मस्तनाथ मठ पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बना चुका है और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बन चुका है। सालाना मेले की सभी तैयारियां जोरो पर है और श्रद्धालुओं [illegible] विशेष प्रबंध किए गए है।

11:21 0.58 KB/S 87

Inder Preet BMU Admblock
16 photos • February 22, 2026

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Rohtak - 22 Feb 2026 - Page 3

मठ में दो माह बाद 1000 बेड के अस्पताल का होगा भूमि पूजनः महंत बालकनाथ योगी

श्री बाबा मस्तनाथ मठ पर तीन दिवसीय सालाना मेला कल से, सभी तैयारियां पूरी

मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना के साथ की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

नाथ महाराज की पावन स्मृति में 18वीं सदी से चली आ रही परंपरा के तहत अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ में 23, 24 और 25 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय सालाना मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सप्तमी, अष्टमी और नवमी तिथि को क्रमश सोमवार, मंगलवार और बुधवार को आयोजित होगा। वहीं मस्तनाथ मठ में दो माह बाद ही एक हजार बैड के नए अस्पताल का भूमि पूजन भी किया जाएगा। महंत बालकनाथ योगी (गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर-रोहतक) ने बताया कि यह मेला कई दशकों से निरंतर भरता आ रहा है और क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। बाबा मस्तनाथ की समाधि स्थल पर दूर-दूर से श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष हजारों भक्त मेले में शामिल होते हैं। मेले की शुरुआत बाबा मस्तनाथ की शिक्षाओं-सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण-को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सामाजिक और खेल गतिविधियों का भी केंद्र बन गया है। देश के विभिन्न राज्यों से संत, महंत और श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। परंपरा के अनुसार श्रद्धालु गुड़ भेली और काला कंबल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते महंत बालकनाथ योगी।

24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता

23 फरवरी को प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना, हवन और संत-महात्माओं के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दिनभर भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय रहेगा। 24 फरवरी को सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ रेडर और सर्वश्रेष्ठ कैचर को 31-31 हजार रुपये का विशेष पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल

25 फरवरी को विशाल इनामी कुश्ती दंगल मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। दंगल में नामी पहलवान भाग लेंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख 51 हजार रुपये, द्वितीय 1 लाख रुपये, तृतीय 51 हजार रुपये और चतुर्थ 31 हजार रुपये रखा गया है। महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि मठ शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रहा है। मठ द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय तथा विद्यालयों में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि धर्मार्थ अस्पताल क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से परिवार सहित मेले में पहुंचने का आह्वान किया।

10:34 AM

श्री बाबा मस्तनाथ मठ की पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान, तीन दिवसीय वार्षिक मेला 23 फरवरी से शुरू: महंत बालकनाथ

नवीन मलिक / गुडगांव मेल

रोहतक, 21 फरवरी। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ की पावन स्मृति में तीन दिवसीय वार्षिक मेला 23 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें देश विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालुजन भाग लेगे। अस्थल बोहर स्थित श्री बाबा मस्तनाथ मठ परिसर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय भव्य मेले की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है।

मठ परिसर को पूरी तरह से दुल्हन की तरह सजाया गया है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री बाबा मस्तनाथ मठ के गद्दीनशीन महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ महाराज ने समाज को सेवा, संयम, साधना और लोककल्याण का संदेश दिया। प्रतिवर्ष श्री बाबा मस्तनाथ जी की पावन स्मृति में सप्तमी, अष्टमी और नवमी 23, 24 व 25 फरवरी को तीन दिवसीय सालाना मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय मेले के दौरान देश विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेगे। उन्होंने बताया कि अष्टमी को सर्कल कब्बडी प्रतियोगिता होगी जिसमें कई प्रदेशों के खिलाड़ी हिस्सा लेगे, वहीं नवमी के दिन कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जोकि आकर्षक का केन्द्र रहेंगे। विजेता टीमों को लाखों रूपये के नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलो के प्रति जोडना है। महंत बालकनाथ ने बताया कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ के प्रति श्रद्धालुओं की काफी आस्था है और जो भी श्रद्धा यहां सच्चे मन से स्माधि स्थल पर पूजा अर्चना करता है, उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। उन्होंने बताया कि तीन दिन प्रतिदिन धार्मिक भव्य आयोजन होगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आज श्री बाबा मस्तनाथ मठ पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बना चुका है और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बन चुका है। सालाना मेले की सभी तैयारियां जोरो पर है और श्रद्धालुओं व साधु संतों के लिए विशेष प्रबंध किए गए है।

10:34 AM

बाबा मस्तनाथ मठ में वार्षिक मेला कल से

तीन दिन तक देखने को मिलेगा परंपरा और आस्था का संगम